

22/7/19

पत्रावली बेशक है। इन्जीलॉर इतिहास नहीं है।
 दिनांक 24/11/19 की इतिहास भी इसी तरह की स्वर
 करती है। प्रथम (इन्जीलॉर) को साक्ष्य प्रस्तुत करने का
 इच्छा चाहे इच्छा ही गवा प्रस्तुत इच्छा प्रमाण माने
 में वह असमर्थ रहे। न्यायालय सक्षम नर इच्छा विना।
 प्रि भी प्रथम प्रमाण की तरह से कोई इतिहास नहीं। प्रमाण
 इच्छा हाथी एवं इच्छा प्रती में स्थापित किया जाता है।
 पत्रावली प्रमाण प्रमाण होकर नंबर में नहीं है, प्रमाण करती है।

सजसव अपील प्राधिकारी
 बाड़मेर